सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 103 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 17 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जहां जाइये प्यार फैलाइए। जो भी आपके पास आये वह और खुश होकर लौटे।
-मदर टेरेसा

मैच धुला, सनराइजर्स हैदराबाद... 7 | हरियाणा में कांग्रेस को भारी न पड़... 3 | देश की जनता मोदी सरकार को... 2

तेज गर्मी के बीच चढ़ा यूपी का सियासी तापमान

रायबरेली में बीजेपी को ललकारेंगे सोनिया-राहुल

» प्रियंका और अखिलेश भी होंगे साथ
» मोदी, योगी व शाह ने भी मोर्चा संभाला
» प्रदेश में शुरू हुआ आक्रामक प्रचार, नेता कर रहे एक-दूसरे पर तीखे प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे पांचवे चरण के वोटिंग नजदीक आ रही है सियासी दलों के दौरे तो तेज हो ही रहे एकदूसरे पर तीखे बयान भी खूब उछाले जा रहे हैं। जहां इंडिया गठबंधन राजग को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए पूरी जी जान लाग रही है वही बीजेपी भी विपक्ष पर आरोपों के बौछार करने में जुटी है।

इंडिया गठबंधन की रैली में दिखेगी ताकत

इसी सिलसिले में दिल्ली के करीब पहुंचाने वाले राज्य यूपी में भाजपा, कांग्रेस से लेकर सपा के बड़े नेता शुक्रवार को ताबड़तोड़ रैली करने आए गए हैं। राजनीति के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि यह पहली बार हो रहा है, जब एक ही दिन दिग्गजों का जमावड़ा लग रहा है। चुनावी बाजी कौन मरेगा, यह चार जून को पता चलेगा, लेकिन इस दिन सियासी तपिश जरूर बढ़ जाएगी। वैसे तो रायबरेली में पांचवें चरण का चुनाव 20 मई को है। 18 मई को शाम पांच बजे प्रचार थम जाएगा, लेकिन शुक्रवार का दिन इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। आज सोनिया गांधी रायबरेली में रैली को संबोधित करेंगी। उनके साथ मंच पर राहुल , प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव होंगे।

जो महंगाई पहले डायन थी, अब महबूबा हो गई है : तेजस्वी

नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) तेजस्वी यादव ने प्रधान मंत्री पर देश को बर्बाद करने का आरोप लगाया है। तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि मुद्रास्फीति और देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को बर्बाद कर दिया। महँगाई, बेरोज़गारी और गरीबी बढ़ा दी। मोदीजी से देश चला नहीं उल्टा दूसरे को सिखा रहे हैं। इससे पहले बुधवार को, तेजस्वी यादव ने मूल्य वृद्धि के मुद्दे पर केंद्र में भाजपा सरकार की आलोचना की, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि मुद्रास्फीति, जो एक समय यूपीए शासन के दौरान भगवा पार्टी के लिए एक बड़ी चिंता थी, अब कुछ ऐसी चीज बन गई है जिससे वे सहज महसूस करते हैं।

अपने वोट बैंक को संतुष्ट करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं सपा-कांग्रेस वाले : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सपा-कांग्रेस के लोग अपने वोट बैंक को संतुष्ट करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। वो हिंदू-मुसलमान की राजनीति करते हैं। पीएम मोदी शुक्रवार को बाराबंकी में रैली को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से बढ़-चढ़कर वोट करने का आह्वान किया और कहा कि पहले मतदान करें और फिर जलपान करें। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि केंद्र की सरकार आई तो सभी की संपत्ति का सर्वे किया जाएगा और आपके लॉकर में जो कि सोना-चांदी और धन है उसे लेकर वोट जेहाद करने वालों को दे दिया जाएगा।

मालीवाल मामले में कोर्ट में बयान दर्ज

» धारा 164 के तहत कार्रवाई
» स्वाति मालीवाल के समर्थन में बीजेपी का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आज स्वाति मालीवाल के कोर्ट में धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराई। इसके लिए दिल्ली पुलिस की विशेष टीम तैयार की गई। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इसमे कुछ बताने से इनकार कर दिया है।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी का मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। भाजपा लगातार इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी को घेरने में लगी है। स्वाति मालीवाल से बदसलूकी के मामले को लेकर भाजपा लगातार आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरने में लगी है। इस मामले को लेकर दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सीएम आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। भाजपा अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की कर मांग रही है।

सीतारमण का केजरीवाल पर वार

केंद्रीय वित्त मंत्री और भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने को स्वाति मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी के मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को घेरते हुए मामले में उनकी भूमिकोशी पर सवाल उठाए। सीतारमण ने कहा कि राज्यसभा की एक सांसद के साथ केजरीवाल के करीबी ने बदसलूकी की। इसके बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री अब तक चुप हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन बिभव कुमार उनके साथ लखनऊ में घूम रहे थे। सीतारमण ने कहा, लगातार 13 मई से आजतक केजरीवाल ने एक शब्द नहीं बोला, इस मामले में। उनकी पार्टी की राज्यसभा सदस्य के साथ जो हुआ, वह अस्वीकार्य है। महिला के विषय में इतनी बातें बनाने वाले मुख्यमंत्री आज तक उस पर एक शब्द नहीं बोले। उन पर व्यक्तिगत आरोप लगे। आखिर क्यों? जो घटना आपके घर पर हो रही है, उस पर आपकी पार्टी बोलती है कि एक्शन होगा।

प. बंगाल में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

» चुनाव बाद हिंसा से जुड़ा है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सीबीआई ने शुक्रवार को बंगाल में टीएमसी के दो नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी साल 2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामले में की गई। सीबीआई ने बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के काठी इलाके में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर छापा मारा।

2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में भाजपा के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। अधिकारियों के मुताबिक चुनाव बाद हिंसा मामले में 30 आरोपियों को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन कोई भी नहीं पहुंचा, जिसके बाद सीबीआई ने छापेमारी की कार्रवाई की।

समन के बावजूद पेश नहीं हुए आरोपी

सीबीआई अफसरों की एक टीम ने काठी ब्लॉक नंबर 3 में टीएमसी नेता देबव्रत पांडा के घर छापेमारी की। साथ ही दूसरे ब्लॉक में टीएमसी नेता नंदुलाल मैती के घर पर भी कार्रवाई की। सीबीआई अफसर ने बताया कि पांडा और नंदुलाल के बेटे का नाम 52 अन्य आरोपियों के साथ एफआईआर में है। हिंसा में भाजपा कार्यकर्ता जन्मेजय दुलाई की मौत हुई थी। सीबीआई अफसरों ने बताया कि आरोपियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ भी होगी।

देश की जनता मोदी सरकार को हटाने का मन बना चुकी है : अविनाश पांडे

» बोले- जनता को झूठ के सहारे नहीं ठग पाएगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि इस बार जनता जागरूक है। भाजपा झूठ के सहारे जनता को ठग नहीं पाएगी। पिछले दस वर्षों में कोई भी कार्य नहीं हुआ है। जनता जुमलों को पहचान चुकी है। अविनाशसदर विधानसभा के जमुनियाबाग स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद महाविद्यालय में समन्वय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहे जितनी कोशिश कर लें, लेकिन देश की जनता मोदी सरकार को हटाने का मन बना चुकी है। केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार में छले गए किसान, महिलाएं, बेरोजगार, नौजवान सब परेशान हैं। देश में पिछले 10 वर्ष से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। देश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त है। इस दौरान पूर्व मंत्री नकुल दूबे, पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह, सपा जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्र, अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सगीर खां, एआईसीसी रमा कश्यप, प्रवक्ता शिवकुमार दूबे भी मौजूद रहे।

तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री न बनाए जनता : ओवैसी

एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद लोकसभा सीट से उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, दावे हर राजनीतिक पार्टी करती है। भारत की जनता से हमारी अपील है कि तीसरी बार वे नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री न बनाएं। गरीबी बहुत बड़ी समस्या बन चुकी है। बेरोजगार को नियंत्रित नहीं कर पाए, महंगाई बढ़ती जा रही है, जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अग्निवीर योजना को लाए, उस तरह वे इसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भी लागू करेंगे जिससे कि बहुत बड़ा नुकसान होगा। ओवैसी ने कहा कि मोदी सरकार जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाई है। भाजपा के 400 सीट जीतने के दावे पर कहा कि हर पार्टी इस तरह के दावे करती है।

भाजपा लोकसभा चुनाव में लोगों तक अपनी बात पहुंचाने में विफल रही है : उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकसभा चुनाव में लोगों तक अपनी बात पहुंचाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई से हर कोई प्रभावित है और लोग भाजपा के पिछले दस साल के शासन से नाराज हैं। भाजपा से नाता तोड़ने के बाद मुसलमानों का रुझान शिवसेना (यूबीटी) की ओर बढ़ने के बारे में पूछे गये एक सवाल पर ठाकरे ने कहा, ''हमने अपनी हिंदुत्व विचारधारा को नहीं छोड़ा है, और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे। भाजपा उद्धव के कांग्रेस से हाथ मिलाने को लेकर उन पर हमलावर रही है। भाजपा उद्धव पर अपनी पार्टी की मूल हिंदुत्व विचारधारा को 'छोड़ने' का आरोप भी लगाती रही है।

बीजेपी आरक्षण, लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने पर तुली : लालू

» बोले- इस बार सावधानी व सोच-समझ कर वोट डालिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भगवा पार्टी आरक्षण और लोकतंत्र को खत्म करने पर तुली हुई है। लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच सोशल मीडिया पर लालू यादव ने लोगों से बीजेपी को वोट न देने की अपील की।

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्यारे देशवासियों, सतर्क और सावधान हो जाइए! भाजपा आपका आरक्षण, देश का लोकतंत्र और संविधान खत्म करने पर तुल गया है। देश का संविधान नहीं रहेगा तो देश में लोकतंत्र भी नहीं रहेगा। आप देश के समान रूप से नागरिक भी नहीं रहेंगे। आप ऐसे नागरिक नहीं रहेंगे जिनके पास अधिकार होंगे, संवैधानिक सुरक्षा और उपचार के उपाय हों। आप चंद लोगों के गुलाम मात्र रह जाएंगे। संविधान है तो आरक्षण है और आरक्षण है तो गैर बराबरी, उत्पीड़न एवं अत्याचार से सुरक्षा है। समानता का भाव है, उपचार है। भाजपाई चाल चरित्र से समता विरोधी हैं। ये लोग संविधान व आरक्षण खत्म कर समाज में गैर बराबरी बढ़ा लोगों को पुन: मानसिक गुलाम बनाना चाहते हैं।

2029 में भी पीएम बनेंगे मोदी: राजनाथ

» केजरीवाल के दावे पर भाजपा नेता का दो टूक जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएम नरेंद्र के रिटायरमेंट को लेकर कुछ दिनों पहले दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि एक साल के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे और अमित शाह को पीएम बना दिया जाएगा। सीएम केजरीवाल के इस दावे पर भाजपा नेता लगातार जवाब दे रहे हैं।

आज (17 मई) केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम केजरीवाल के दावे पर जवाब देते हुए कहा,मेरी बात आप सुन लीजिए। भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता होने के नाते ये मैं कहना चाहता हूं कि 2024 में भी वो भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे और 2029 में भी वो भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे। राजनाथ सिंह ने आगे कहा,मैं समझता हूं कि इससे ज्यादा स्पष्ट रूप से और कुछ कहा नहीं जा सकता। जिस व्यक्ति ने देश का नाम दुनिया में बढ़ाया हो। पीएम मोदी ने देश की प्रतिष्ठा बढ़ाई हो। 2014 से पहले जो देश देश अर्थव्यवस्था के नाम पर 14वें नंबर पर था वो आज के समय दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है

कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना में बदलाव किया

विपक्षी नेता लगातार ये दावे कर रहे हैं कि अगर चुनाव में एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलती है तो संविधान बदल दिया जाएगा। विपक्ष के इन दावों पर राजनाथ सिंह ने कहा कि संविधान में सबसे ज्यादा संशोधन उन्होंने (कांग्रेस) ने किए हैं। हम सभी चाहते थे कि संविधान की प्रस्तावना में कोई बदलाव न किया जाए, लेकिन कांग्रेस सरकार ने 1976 में जब इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री थीं तब इसमें बदलाव किया गया।

बीजेपी को सुप्रीम कोर्ट पर नहीं है भरोसा : सिब्बल

» केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर शाह का बयान आपत्तिजनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर टिप्पणी को लेकर गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि यह एक आपत्तिजनक बयान है जिसमें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की मंशा पर सवाल उठाया गया है। शाह ने एक साक्षात्कार में कहा है कि कई लोगों को लगता है कि शीर्ष अदालत ने केजरीवाल के प्रति विशेष रुख अपनाया है।

सिब्बल ने कहा, शाह ने आपत्तिजनक बयान दिया है और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की मंशा पर सवाल उठाया है। उनका कहना था कि शाह ने बहुत चतुराई से कहा है कि कई लोग कह रहे हैं कि केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने में विशेष रुख अपनाया गया है। सिब्बल ने कहा, उन्होंने (शाह) कहा है लोग कह रहे हैं। अगर लोग कह रहे हैं और आप उस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो ऐसा क्यों कहा है? अगर लोग कहते हैं और आप उस पर विश्वास करते हैं, इसलिए आपने बयान दिया है।

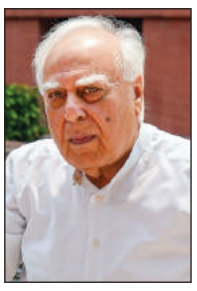

सिब्बल का बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना जाना देश में बड़े बदलाव का 'ट्रेलर' : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुने जाने को उदारवादी और लोकतांत्रिक ताकतों की जीत करार देते हुए कहा कि यह देश में बहुत जल्द होने जा रहे बड़े परिवर्तन का ''ट्रेलर'' है। उनकी जीत के बाद रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कपिल सिब्बल को भारी बहुमत से उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। यह उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है।

सीटें नहीं मिलीं तो क्या नहीं लेगे पीओके

मौजूदा समय में महंगाई को लेकर पीओके में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अमित शाह ने बुधवार को कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए पीओके की स्थिति पर बात की। उन्होंने इस रैली में कहा कि पीओके भारत का हिस्सा है और वे इसे ले लेंगे। अमित शाह के इस बयान पर कपिल सिब्बल ने उन्हें घेरा। राज्यसभा सांसद ने कहा कि वह (अमित शाह) कहते हैं कि अगर हम 400 सीट जीतेंगे तो पीओके वापस ले लेंगे। अगर आप इतनी सीट नहीं जीत पाए तो क्या होगा? आप पीओके वापस नहीं लेंगे? हम चाहते हैं कि आप इसे वापस लें। लेकिन सबसे पहले आपको उस 4000 किमी जमीन को वापस लेना चाहिए, जिसे चीन ने छीन लिया है।

सच की जीत

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अब मैं छुट्टा सांड हूं, किसी से भी भिड़ सकता हूं : बृजभूषण शरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में आरोपी कैसरगंज के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अभी मैं बूढ़ा नहीं हुआ हूं, अब मैं छुट्टा सांड़ हो गया हूं। अब किसी से भी भिड़ सकता हूं। अपनी भाषा में अवधी का टच देते हुए उन्होंने कहा का करिहैं, लड़े जीत ना पइहैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर आपके लिए लड़ाई लड़ूगा। परसपुर कस्बे में आयोजित सभा में सांसद ने कहा 33 साल की उम्र में मैं सांसद बना था, संयोग देखिए मेरे बेटे करण भूषण भी 33 की उम्र में सांसद बन रहे हैं।

कैसरगंज की कमान अब युवा के हाथ में जा रही है। कहा हमें पता है कि कहां स?क, पुल और आवास की जरूरत है। करनैलगंज के घंटाघर के पास लगने वाला जाम को भी जानता हूं। बहुत पहले देवीपाटन के लिए नारा दिया था स्वस्थ मंडल, साक्षर मंडल और हरित मंडल। उसी पर कार्य किया जा रहा है। बलरामपुर विधायक पलटू राम, अजय सिंह, रामकुमार सोनी, रामसुंदर पांडेय, नीरज मौर्य आदि मौजूद रहे। सांसद ने सभा में करनैलगंज विधायक अजय सिंह की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इस चुनाव का खर्चा विधायक जी देंगे। इस पर लोगों की भीड़ ने तालियां बजाईं और ठहाके लगाए।

हरियाणा में कांग्रेस को भारी न पड़ जाए गुटबाजी

मजबूत प्रत्याशियों को कमजोर होने का डर

» विरोध से भाजपा को फायदा

» अप्रैल में तेजी से बना कांग्रेस के पक्ष में माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस के मजबूत प्रत्याशियों को गुटबाजी कमजोर कर रही है। कांग्रेस में बिखराव का असर दिख रहा है। पक्ष में बना माहौल कायम रखना कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। अभी कर प्रचारकों की रैली की तिथि तय नहीं हो पाई है। ना ही कांग्रेस एक मंच पर आ पाए हैं। मजबूत प्रत्याशियों और एंटी इंकमबेंसी के चलते कांग्रेस के पक्ष में बनी हवा के बावजूद लोकसभा चुनाव पार्टी के लिए अब इतना आसान नहीं लग रहा। प्रदेश में कांग्रेस के लिए कई चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं।

मतदान की तिथि तक अपने पक्ष में माहौल को बनाए रखना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। एक तो संगठन नहीं होने के चलते भाजपा के मुकाबले कांग्रेस बूथ स्तर तक पहुंचने में पिछड़ रही है। दूसरा, प्रदेश के दिग्गज नेताओं की गुटबाजी भी पार्टी के लिए घातक साबित हो रही है। अभी तक हरियाणा में पार्टी के स्टार प्रचारक नहीं उतर पाए हैं। केवल पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ही कमान संभाल रहे हैं। ये दोनों भी सिरसा जाने से बच रहे हैं। कांग्रेस अभी तक हाईकमान के नेताओं के लिए रैलियों की तारीख व स्थान भी तय नहीं कर पाई है। दूसरी तरफ, भाजपा के सीएम और पूर्व सीएम प्रदेश के 86 विजय संकल्प रैलियां कर चुके हैं। इसके अलावा 16 मई से पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी हरियाणा में दस्तक देकर धड़ाधड़ रैलियां करके अपने पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास करेगा।

कई सर्वे के बाद 26 अप्रैल को जब कांग्रेस ने प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे तो उस समय प्रदेश में अचानक से कांग्रेस की हवा बनी और लोगों में चर्चा थी कि इस बार कांग्रेस कई सीटों पर जीत सकती है। आम व्यक्ति से लेकर सट्टा बाजार और चुनावी विश्लेषक तक कांग्रेस की पांच सीटों पर जीत तय मान रहे थे, लेकिन जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है, भाजपा ने पूरी ताकत के साथ जमीनी स्तर पर काम तेज कर दिया है और दूसरी तरफ कांग्रेस का प्रचार कमजोर पड़ रहा है। हरियाणा में लोकसभा चुनाव में अब महज 10 दिन का समय बचा है। चुनाव प्रचार अब आठ दिन और चलेगा। दोनों पार्टियों का आकलन करें तो अब तक भाजपा 86 विजय संकल्प रैलियां कर चुकी है। मनोहर और नायब सिंह सैनी की जोड़ी अधिकतर विधानसभा हलकों को कवर कर चुकी है।

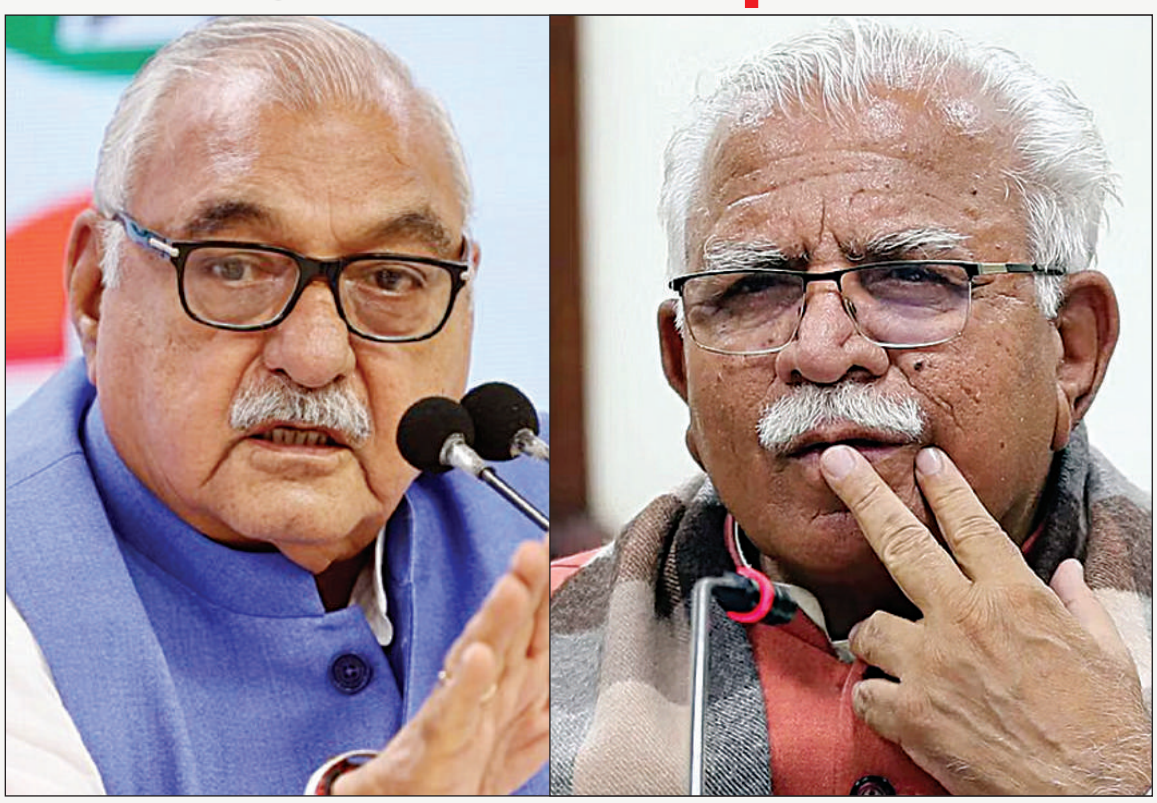

बेरोजगारी व खिलाड़ियों का मुद्दा नहीं उठा पा रही कांग्रेस

बेरोजगारी व खिलाड़ियों का मुद्दा नहीं भुना पाई पार्टी चुनाव की घोषणा से पहले महिला पहलवानों के यौन शोषण का मुद्दा पूरे देश में गूंजा, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे को भुनाने में कामयाब नहीं रही, जबकि आंदोलन के समय कांग्रेस ने खुलकर खिलाड़ियों का साथ दिया था, लेकिन चुनाव में इस मुद्दे को लेकर कांग्रेसी नेता सरकार को घेरने में सफल नहीं हुए। इसके अलावा किसानों के मुद्दों पर भी कांग्रेस नेता उनके साथ खड़े नजर नहीं आ रहे हैं। चुनाव से पहले तक भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश में बेरोजगारी दर बढ़ने का मुद्दा कई बार उठाया, लेकिन चुनाव आते-आते यह मुद्दा भी ठंडा पड़ गया है।

कांग्रेस के केंद्रीय स्टार प्रचारक आए नहीं

कांग्रेस ने 40 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। इनमें मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी केंद्रीय नेता हैं। इनके अलावा हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह, पूर्व मंत्री आनंद शर्मा, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, अजय माकन, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल व सचिन पायलट समेत अन्य नाम शामिल हैं। इनमें से कोई भी नेता हरियाणा नहीं आया है। इनके अलावा हरियाणा के ही नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह, कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला सिर्फ सिरसा लोकसभा क्षेत्र तक सीमित हैं, जबकि अन्य विधायक और पूर्व विधायक भी अपने-अपने हलकों में ही सक्रिय हैं। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि किसान आंदोलन के नाम पर भाजपा और जजपा प्रत्याशियों के विरोध किए जाने से भी भाजपा को फायदा मिलने की संभावना है। इससे मतदाता मुखर व साइलेंट दो भागों में बंट गए हैं। जो शांत हैं, वह अधिकतर भाजपा के साथ जा सकते हैं। इसी कारण जहां-जहां विरोध हो रहा है, भाजपा उस क्षेत्र और गांव के साइलेंट मतदाताओं पर अपनी पकड़ मजबूत बनाने की तैयारी कर रही है।

किसान आंदोलन का असर, मोदी फैक्टर का भी दिखेगा रंग

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इस बार का चुनाव कई मायनों में बदला हुआ है। किसान आंदोलन का असर साफतौर पर दिख रहा है, जिससे कांग्रेस को फायदा हुआ है। अग्निवीर से भी भाजपा की अग्निपरीक्षा होनी है। कांग्रेस युवाओं की नाराजगी को वोटों में बदलना चाह रही है। हालांकि, सबसे ज्यादा असरदार फैक्टर पीएम मोदी का ही चेहरा रहने वाला है। इसे नतीजों से भी समझा जा सकता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 79 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली जबकि छह महीने बाद ही हुए विधानसभा चुनाव में 40 सीटें ही जीत पाई। इनेलो और जजपा का असर सीमित रह गया है। हिसार में दोनों मुकाबले में है। कुरुक्षेत्र में इनेलो मुकाबले को त्रिकोणीय बना रही है। करनाल में एनसीपी से गठबंधन करके इनेलो ने कुछ रोचकता पैदा की है।

रैली में बीजेपी पर रही भारी

वहीं, देरी से प्रत्याशी उतारने के चलते भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र अब तक सात लोकसभा क्षेत्रों में 28 रैलियां ही कर पाए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पंचकूला में रोड शो कर चुके हैं और राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा भी हरियाणा में प्रचार में उतर चुके हैं। 16 मई से उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी प्रचार को धार देने आएंगे। इसके बाद हिंदुत्व के फायर ब्रांड नेता और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बारी आएगी। पीएम नरेंद्र मोदी की चार रैलियां और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तीन कार्यक्रम तय हो चुके हैं। वहीं, कांग्रेस आलाकमान की ओर से अभी तक कोई बड़ा नेता हरियाणा में नहीं आ पाया है। इसके अलावा जनसंपर्क की बात करें तो भाजपा इसमें भी कांग्रेस से बहुत आगे है। जिला, ब्लॉक से लेकर मंडल स्तर और बूथ स्तर से पन्ना प्रमुख तक भाजपा ने प्रचार में उतार दिए हैं और मतदाताओं के घर-घर दस्तक देनी शुरू कर दी है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष उदयभान का कहना है कि पार्टी में कोई गुटबाजी नहीं है। सभी प्रत्यायिशयों के लिए प्रचार किया जा रहा है। एक-दो दिन में शीर्ष नेताओं के दौरे भी तय हो जाएंगे।

कद्दावर नेताओं को सौंपी मोदी की रैली की जिम्मेदारी

पिछले डेढ़ महीने से विजय संकल्प रैलियां और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच जा रही भाजपा चुनाव प्रचार को इन आठ दिनों में और गति देने की तैयारी में है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियां के प्रबंधन के लिए अपने कद्दावर नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। जींद के विधायक डॉ. कृष्ण मिढ़ा गोहाना में होने वाली प्रधानमंत्री की रैली का प्रबंधन संभालेंगे। अंबाला की रैली का प्रबंधन मंत्री कंवरपाल व महेंद्रगढ़ रैली की जिम्मेदारी मुख्य प्रवक्ता जवाहर यादव देखेंगे।

हर क्षेत्र में अलग-अलग जातीय समीकरण

भाजपा से दो जाट प्रत्याशी तो कांग्रेस से भी दो। भाजपा से एक यादव तो कांग्रेस से भी एक। भाजपा से वैश्य तो आम आदमी पार्टी से भी वैश्य...। हरियाणा के रण में जाति का ही जयघोष हो रहा। हालांकि, पीएम मोदी की गारंटी और कांग्रेस की न्याय गारंटी के भी ढोल बज रहे हैं, पर टिकट देने से लेकर चुनावी बिसात बिछाने तक में जातीय समीकरण को ही जीत की गारंटी माना जा रहा। इसकी वजह भी है। दस लोकसभा सीटों वाला राज्य बोली और माटी के आधार पर सात बेल्ट में बंटा हुआ है। हर क्षेत्र के जातीय समीकरण अलग हैं और चुनावों में प्रभावी साबित होते रहे हैं। छठे चरण में 25 मई को होने वाले चुनाव में न किसी की हवा है और न लहर। इसलिए, हर सीट और हर बेल्ट के सांचे को देखकर जातीय समीकरण फिट किए जा रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है। पिछले चुनावों में भी जाट और गैर जाट जातियों के आधार पर चुनावी ताना-बाना बुना जाता रहा है। भाजपा ने दो जाट, दो एससी, दो ब्राह्मण, एक यादव, एक वैश्य, एक पंजाबी और एक गुर्जर को टिकट दिया है। कांग्रेस ने अपने नौ उम्मीदवारों में दो जाट, दो एससी, दो पंजाबी, एक गुर्जर, एक यादव और एक ब्राह्मण को उतारा है। इंडिया गठबंधन में कुरुक्षेत्र की सीट आम आदमी पार्टी को मिली है, जहां से वैश्य समाज का उम्मीदवार है। पिछले चुनाव के मुकाबले भाजपा ने छह और कांग्रेस ने सात सीटों पर चेहरे बदल दिए हैं। भाजपा ने करनाल में संजय भाटिया की जगह पूर्व सीएम मनोहरलाल, सांसद से सीएम बने नायब सिंह सैनी की सीट कुरुक्षेत्र में कांग्रेस से आए नवीन जिंदल, सिरसा में सुनीता दुग्गल की जगह अशोक तंवर, बृजेंद्र सिंह के कांग्रेस में चले जाने की वजह से हिसार में ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह चौटाला, अंबाला में रतन लाल कटारिया का निधन हो जाने की वजह से उनकी पत्नी बंतो कटारिया को टिकट दिया है। जिन चार सांसदों को फिर से उतारा गया है, उनमें रोहतक से अरविंद शर्मा, गुरुग्राम से केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत, फरीदाबाद से केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और भिवानी-महेंद्रगढ़ से धर्मबीर सिंह हैं। कांग्रेस ने सोनीपत से भूपेंद्र हुड्डा की जगह सतपाल ब्रह्मचारी, करनाल में कुलदीप शर्मा की जगह दिव्यांशु बुद्धिराजा, भिवानी-महेंद्रगढ़ से श्रुति चौधरी की जगह राव दान सिंह और फरीदाबाद से अवतार भड़ाना की जगह महेंद्र प्रताप को को मौका दिया है। कुमारी सैलजा अंबाला से सिरसा आ गई हैं। गुरुग्राम में कैप्टन (रिटायर्ड) अजय यादव की जगह अभिनेता से नेता बने राज बब्बर को उतारा है। पिछले चुनाव में दस की दस सीटें भाजपा की झोली में गई थीं। रोहतक को छोड़ कहीं और कड़ा मुकाबला भी नहीं दिखा था। इस बार कहानी थोड़ी बदली है। लगभग हर सीट पर कांग्रेस टक्कर दे रही है। रोहतक, सिरसा और सोनीपत में भाजपा नेताओं को ज्यादा पसीना बहाना पड़ रहा है। करनाल, गुरुग्राम और फरीदाबाद सीट कांग्रेस के लिए चुनौती बनी हुई हैं। बाकी बचीं चार अंबाला, हिसार, भिवानी-महेंद्रगढ़ और कुरुक्षेत्र में कांटे की टक्कर है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जलवायु परिवर्तन बढ़ा रहा गर्मी के तेवर!

“ मौसम से जुड़े विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि जलवायु परिवर्तन, पारिस्थिक तंत्र में असुंलन की वजह से गर्मी का तेवर कड़े हो रहे हैं। इन सबकी वजह से मानव व जन्तु व वनस्पति जगत को भी कई मुसिबतों को सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण जहां बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए भीषण खतरा बन गया है, वहीं बच्चों में तेजी से बढ़ रहे अस्थमा का भी कारण बन रहा है।

आज कल भारत के कई राज्यों में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के मध्य मे गर्म लू के थपेड़े चलेंगे। ये जो मौसम में हर साल गर्मी बढ़ रही उसका सबसे बड़ा कारण ग्लोबल वार्मिंग को माना जा रहा है। मौसम से जुड़े विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि जलवायु परिवर्तन, पारिस्थिक तंत्र में असुंलन की वजह से गर्मी का तेवर कड़े हो रहे हैं। इन सबकी वजह से मानव व जन्तु व वनस्पति जगत को भी कई मुसिबतों को सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण जहां बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए भीषण खतरा बन गया है, वहीं बच्चों में तेजी से बढ़ रहे अस्थमा का भी कारण बन रहा है। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद धुएं-धूल के बारीक कण बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर उन बच्चों में पाया जाता है जो कम विकसित शहरी इलाकों या पिछड़े इलाकों में रहते हैं।

ईस्ट एंजीलिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जान स्पेंसर द्वारा किये 215 बच्चों के विजन, स्मृति, विजुअल प्रक्रिया के विश्लेषण से खुलासा हुआ कि बच्चे में संज्ञानात्मक समस्या का संबंध खराब वायु गुणवत्ता से है। स्पेंसर के अनुसार, हवा में मौजूद हानिकारक बारीक कण मस्तिष्क में प्रवेश कर उसे नुकसान पहुंचाते हैं। खराब वायु गुणवत्ता के चलते होने वाली संज्ञानात्मक समस्याएं दो साल तक के बच्चों के लिए जोखिमभरी होती हैं। बीते साल स्विट्जरलैंड की संस्था आईक्यू एयर ने अपनी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में भारत को 2022 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश बताया था। दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में उस समय 39 शहर भारत के थे। यदि हम अंतर्राष्ट्रीय मानकों या दिशा-निर्देशों के हिसाब से देखें तो पाते हैं कि वाकई हमारे शहरों में सीमा से बहुत ज्यादा प्रदूषण है। शहर तो शहर, अब गांव भी इससे अछूते नहीं। अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं। जो योजनाएं बनती हैं वे भी शहर केन्द्रित ही होती हैं। दरअसल, प्रदूषण को कम करने की दिशा में जो भी प्रयास होते हैं, वह पीएम पार्टीकल्स पर ही केन्द्रित होते हैं। ओजोन, नाइट्रोजन व अन्य प्रदूषक तत्व शामिल नहीं होते जबकि इनको भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन योजनाएं बनाकर और निर्देश देकर कार्य की इतिश्री कर दी जाती है। हालांकि वैज्ञानिकों मानता है जंगलों को कटने से बचाकर हम गर्मी की तेजी को रोक सकते है। गर्मी के तेवर से पोखरे, झील, तलाब, कुंए जैसे जल स्रोत भी बचा सकते हैं। पर पिछले दो दशक में भारत में बढ़ रहे शहरीकरण ने इन जल भंडारों को खत्म कर दिया है। अब तो आम आदमी की जागरूकता ही इस तरह के संकटों से पार पाने में मदद कर सकती है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चौथे स्तंभ की सजगता से ही जनतंत्र को मजबूती

विश्वनाथ सचदेव

देश का प्रधानमंत्री कुछ भी कहे उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए, उस पर चर्चा भी होनी चाहिए। पर हाल ही में पटना के एक चुनावी आयोजन में उन्होंने एक पत्रकार से जो कुछ कहा, उसके बजाय उनका एक पत्रकार से रोड शो के दौरान बात करना कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले दस साल के शासनकाल में हमारे प्रधानमंत्री ने देश में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित नहीं किया है। हां, कुछ पत्रकारों से अलग-अलग बातचीत अवश्य करते रहे हैं, पर इन सारी मुलाकातों को 'प्रायोजित' ही समझा जाता रहा है। यह भी अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि ऐसी मुलाकातों में से एक जो सबसे ज़्यादा चर्चित रही है उसमें प्रधानमंत्री से 'आप आम कैसे खाते हैं' जैसे सवाल पूछे गये थे!

बहरहाल, एक टीवी चैनल के पत्रकार से रोड शो के दौरान हुई बातचीत की घटना को अखबारों की सुर्खी बनना ही था। चैनलों पर भी इस मुलाकात को लेकर विशेष चर्चाएं आयोजित हुईं। यह भले ही किसी को याद न रहा हो कि इस बातचीत में क्या मुद्दे उठाये गये, पर यह सब को याद होगा कि दस साल की चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री ने इस तरह से पत्रकार के सवालों का जवाब दिया। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस इंटरव्यू के बाद समाचार चैनलों और अखबारों के प्रतिनिधियों से प्रधानमंत्री की बातचीत का दौर-सा चल पड़ा। कयास इस बारे में लगाये जा रहे हैं कि अचानक प्रधानमंत्री जी को पत्रकारों से इस तरह बात करना ज़रूरी क्यों लगने लगा है। और चर्चा इस बात की भी है कि आम-चुनाव के तीन दौर समाप्त होने के बाद मतदाता की 'उदासीनता' देखकर राजनेताओं, विशेषकर सत्तारूढ़ दल भाजपा, के नेताओं को लगने लगा है कि रणनीति कुछ बदलने की जरूरत है। इस बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, विभिन्न राय हो सकती हैं, पर मीडिया को लेकर प्रधानमंत्री के रुख में आया यह परिवर्तन स्वागतयोग्य है। पत्रकार-समाज इस अवसर का समुचित उपयोग करने की कोशिश करेगा।

उम्मीद यह भी की जानी चाहिए कि यदि पत्रकारों को आगे भी ऐसे अवसर मिलते हैं तो पत्रकार निर्भीकता और ईमानदारी के साथ सवाल पूछेंगे और उन्हें समुचित उत्तर मिलेंगे। बात सिर्फ सवाल पूछने और उत्तर मिलने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, यदि किसी सवाल का सम्यक उत्तर नहीं मिलता तो पत्रकार से यह अपेक्षा की जाती है कि

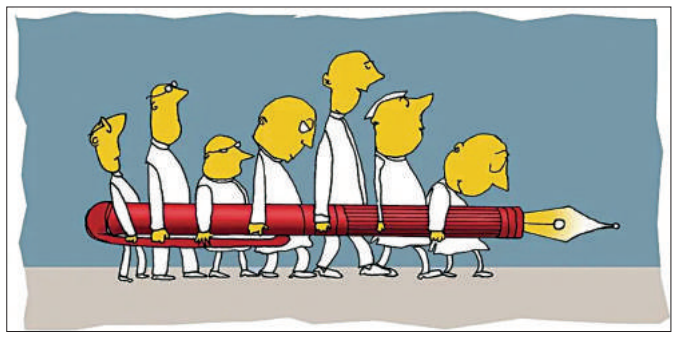

वह निर्भीकतापूर्वक पूरा उत्तर प्राप्त करने की कोशिश करेगा। इस संदर्भ में मुझे एक बड़े अखबार के बड़े पत्रकार की ऐसी ही बातचीत याद आ रही है। पत्रकार ने प्रधानमंत्री से पूछा था- चुनाव प्रचार में इस बार धर्म-आधारित भाषण ज्यादा हो रहे हैं, आप इन्हें कैसे देखते हैं? इस प्रश्न का जो उत्तर प्रधानमंत्री ने दिया, वह इस प्रकार छपा है 'आप कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखिए। उसके शहजादे का भाषण देखिए। मनमोहन सिंह की सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखिए। उसमें सिर्फ और सिर्फ तुष्टीकरण की भावना नजर आयेगी। तुष्टीकरण कांग्रेस का मूल स्वभाव बन गया है। इसके बिना उनकी राजनीति नहीं चल सकती। यह मेरा दायित्व है कि मैं तथ्यों को देश के सामने रखूं। मैं उनका पिछला ट्रेक रिकॉर्ड जनता को बता रहा हूं। वो किस सोच के तहत काम करते हैं, ये देश को जानना आवश्यक है।' पता नहीं जो चार सवाल और उनके उत्तर अखबार में छपे हैं इसके अलावा भी प्रधानमंत्री जी ने कुछ कहा था, लेकिन यह एक उत्तर पूछे गये सवाल के साथ न्याय नहीं करता। चुनाव में धर्म आधारित भाषण की बात सभी दलों पर लागू होती है। प्रधानमंत्रीजी से यह पूछा जाना चाहिए था कि सवाल भाजपा के नेताओं से भी संबंधित है और उनसे यह अपेक्षा है कि वे बतायेंगे कि भाजपा के नेता ऐसा क्यों कर रहे हैं? लेकिन यह पूछा नहीं गया और न ही स्वयं प्रधानमंत्री जी ने इस बारे में कुछ कहना जरूरी समझा। यह पहली बार नहीं है कि चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों द्वारा धर्म का सहारा लेने की बात उठी है। लगभग हर चुनाव में धर्म की बैसाखी का सहारा लेकर चुनावी लाभ लेने की कोशिशें हुई हैं। हमारा संविधान इस बात की इजाजत नहीं देता। धर्म के नाम पर मतदाता को बांटना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं समझा जाना चाहिए। 'राम मंदिर पर बाबरी ताला' जैसी बात कहना अपने आप में मर्यादा की लक्ष्मण रेखा के उल्लंघन से कम नहीं है।

किसी राजनेता का किसी भी मंदिर में जाना कतई गलत नहीं है। हर एक को अपनी आस्था और श्रद्धा का सम्मान करने का अधिकार है। इस संदर्भ में किसी को किसी से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। शिकायत सिर्फ इस बात की होनी चाहिए कि हमारे राजनेता धर्म के नाम पर वोट मांगकर हमारे संविधान का अपमान कर रहे हैं। धर्म आधारित भाषण वाले सवाल के उत्तर में प्रधानमंत्री को यह बताना चाहिए था कि वह धर्म के इस दुरुपयोग का समर्थन नहीं करते, उन्हें कहना चाहिए कि पंथ-निरपेक्ष देश में धर्म के नाम पर राजनीति करने का किसी को कोई अधिकार नहीं है।

रोकथाम की पूर्व तैयारी से थमेगी वनों की आग

वीके बहुगुणा

पिछले बरसों की भांति इस साल भी भारत के विभिन्न इलाकों के जंगल में आग धधक रही है। उत्तराखंड में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है जहां पर हजारों हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग लगी हुई है। पहाड़ी सूबों के जंगलों में लगी आग के कारण स्थिति संकटमयी हो गई है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि भारत में नवम्बर और जून माह के बीच वनों में आग लगती रहती है। इसकी रोकथाम के लिए यथेष्ट तैयारियां पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि घटना घटने पर लपटों पर तुरत-फुरत काबू पाया जा सके। यह भी हकीकत है कि इस समस्या से निपटने में प्रशासन को खासी मुश्किलें आड़े आती हैं। अधिकारी अपनी जिम्मेवारी से बचने के लिए आग लगने का दोष शुष्क मौसम या असामाजिक तत्वों पर डालकर पल्ला झाड़ लेते हैं। उत्तराखंड और भारत में अन्य जगह वनीय अग्निकांड का प्रबंधन करने में सरकारों की असफलता स्पष्ट तौर पर पूर्व-प्रबंध तैयार न रखने और प्रशासन की अक्षम्य कोताही का नतीजा है।

वर्ष 2022 में जारी भारत वन सर्वेक्षण (एफएसआई) रिपोर्ट-2021 बताती है कि वर्ष 2021 में देशभर में वनीय आग के 3,45,989 मामले दर्ज हुए, जो कि अब तक के रिकॉर्ड में सबसे अधिक हैं। यह मामले 2019 के मुकाबले लगभग 1 लाख अधिक थे। इस रिपोर्ट से पर्यावरण, वन एवं मौसम मंत्रालय और देशभर की राज्य सरकारों के कान खड़े हो जाने चाहिए थे। हमें इतनी समझ होना जरूरी है कि वनीय स्रोत मनुष्य के साथ-साथ समस्त वनीय जीवन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। जंगलों में साल-दर-साल लगने वाली आग का पर्यावरणीय संतुलन और अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले विनाशकारी परिणामों से निपटने के उपायों को लेकर बातें तो बहुत की जाती हैं लेकिन जैसे ही इंद्रदेव की कृपा से आग बुझी, सब कुछ भुला दिया जाता है।

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में अपने कार्यकाल (1997-2002) के दौरान मैंने देश के लिए एक वन अग्निशमन रणनीति तैयार की थी और इनसे होने वाले वार्षिक नुकसान की गणना की। मैंने इंडोनेशिया के बागोर में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी में भाग लिया था, उस वक्त 1999 में देश के कोयला खान युक्त वनों में आग लगी थी। इस बैठक में सर्वसम्मति बनी कि आग लगने पर बुझाने के यत्न करने से बेहतर है रोकथाम के उपाय पहले करके रखना क्योंकि एक बार आग ने दावानल का रूप धर लिया तो कितनी भी मशीनरी और संसाधन झोंक दें, काबू पाना असंभव है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने वर्ष 2001 में नए दिशा-निर्देश जारी किए और आग बुझाने के तरीकों में हवाई जहाज और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करने का विचार त्याग दिया। वह इसलिए भी कि भारत में कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जितने विशालकाय जंगल नहीं हैं, और वहां पर अग्निशमन के लिए हवाई जहाजों से विशेष झाग बरसाने के साथ उपकरणों से लैस तगड़ी अग्निशमन कार्रवाई की जाती है। तब यह निर्णय लिया गया कि भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग को उपग्रह का इस्तेमाल करने के लिए विशेष फंड दिया जाए ताकि आग की शिनाख्त होते ही संबंधित विभाग को तुरंत सतर्क किया जा सके।

यह तरीका आज भी अमल में है, तदनुसार आग की घटना का पता चलते ही भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग संबंधित कर्मियों को सूचना देता है। प्रत्येक वन संभाग को नवम्बर माह से पहले आग लगने की संभावित जगहों और उसके आसपास की जमीन पर फैली अग्नि ग्राह्य सामग्री को हटाना, उपकरण एवं मशीनरी की जांच और मरम्मत कर तैयार-बर-तैयार रखना होता है। नवम्बर माह से पहले हरेक वन-संभाग और वन-प्रखंड को अग्नि रोकथाम रणनीति तैयार रखनी पड़ती है- इसमें अधिक जोखिम वाले इलाकों को चिन्हित करना शामिल है- संकट का आकलन करना, पूर्व चेतावनी व्यवस्था बैठाना और व्यावहारिक रूप से सुनिश्चित करना जैसे कि शमन उपकरण, पानी की मश्कें इत्यादि तैयार रखना। बस्तियों के आसपास के वनीय क्षेत्र में आपदा प्रबंधन की पूर्व-रूपरेखा बनाना। संयुक्त वनीय प्रबंधन या वन पंचायतों के लिए विशेष फंड जारी किए गए ताकि आग लगने के मौसम में गांववासियों की मदद ली जा सके। राज्य सरकारों से भारतीय वन कानून के अनुच्छेद 79 को लागू करने के निर्देश दिए गए, जिसके तहत गांववासियों और सरकारी कर्मचारियों का कानूनी कर्तव्य है कि आग लगने की सूचना दें और काबू करने में मदद करें और इसके लिए चिन्हित क्षेत्रों में टीमें भी तैयार-बर-तैयार रखी जाएं। हर साल इन दिशा-निर्देशों की पुनर्समीक्षा करते रहना जरूरी है। यदि प्रक्रिया पहले से तयशुदा और अपनी जगह हो, तब राज्य सरकारें हर बार आग लगने पर खुद को असहाय कैसे महसूस कर सकती हैं। आग की निगरानी और पूर्व-तैयारियों में कोताही की वजहों और दोषियों को ढूंढ़ना राज्य सरकारों का जिम्मा है।

यदि राज्य प्रशासन और वन अधिकारी तय हो चुके प्रतिरोधक उपायों और संहिता पर कड़ाई से अमल करें और साथ ही यथेष्ट उपकरण, मानव शक्ति, धन और अग्निरोधक एवं आपदा नियंत्रण उपायों पर निरंतर नजर बनाए रखें तो अधिकांश वनीय आग की रोकथाम या उस पर जल्द-से-जल्द काबू पाया जा सकता है। आग पकड़ने वाली सामग्री और मानव की दखलअंदाजी का प्रबंधन एक मुख्य कारक है और आग लगने का मौसम शुरू होने से पहले और इसके दौरान, पंचायतों एवं स्थानीय लोगों को साथ जोड़कर पूर्वाभ्यास और निगरानी का इंतजाम करके अग्नि घटनाओं को नगण्य किया जा सकता है।

दही और हल्दी

त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए दही सबसे सही विकल्प माना जाता है। ऐसे में एक बाउल में दही लेकर उसमें थोड़ा सा शहद और चुटकीभर हल्दी मिलाएं। इस पैक को नियमित रूप से लगाने से आपको जरूर फायदा मिलेगा।

गुलाबजल और शहद

त्वचा की कई परेशानियों को दूर करने के लिए गुलाबजल काफी सही रहता है। ऐसे में चेहरे के अतिरिक्त तेल को साफ करने के लिए आप गुलाब जल में थोड़ा सा शहद मिलाकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पेस्ट को 20 मिनट तक अपने चेहरे पर लगाएं और फिर चेहरा धो दें। यह त्वचा में नमी को लॉक करने में मदद करते हैं, चेहरे पर शहद और गुलाब जल लगाने से त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद मिलती है। इससे आपकी त्वचा मुलायम बनती है। शहद और गुलाब जल का मिश्रण त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करने में प्रभावी है। शहद में गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा के डार्क स्पॉट्स और पिगमेंटेशन को साफ करने में मदद मिलती है। शहद और गुलाब जल का कॉम्बिनेशन त्वचा की रंगत में भी सुधार करता है। इससे आपके चेहरे की चमक बढ़ती है।

खीरा और शहद

खीरा और शहद में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को काफी राहत पहुंचाते हैं। इसका पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में कसा हुआ खीरे लेकर उसमें 2 बड़े चम्मच शहद मिला लें। अब इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर अपने चेहरे पर सही से लगाएं । 10 मिनट के बाद अपने चेहरे को धो लें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा और चेहरे के अतिरिक्त तेल से आपको छुटकारा मिलेगा।

चिपचिपी त्वचा से राहत देंगे ये घरेलू फेसपैक

गर्मियों में लोग अपनी सेहत के प्रति काफी सतर्क रहते हैं। क्योंकि गर्मियों के मौसम में तेज धूप और धूल लोगों को काफी परेशान करती है। गर्मी इतनी भीषण पड़ने लगी है कि लोगों ने अभी से अपने खान-पान और पहनावे में बदलाव कर लिया है। इस मौसम में अपनी त्वचा का भी खास ध्यान रखना पड़ता है। गर्मी का मौसम तैलीय त्वचा वाले लोगों के लिए काफी परेशानी लेकर आता है। इस मौसम में सामान्य त्वचा वाले लोगों की त्वचा पर भी अतिरिक्त तेल आ जाता है, ऐसे में सोचिए जिनकी त्वचा तैलीय होती है, उनका क्या हाल होता होगा। चेहरे के अतिरिक्त तेल से छुटकारा पाना इतना आसान तो नहीं होता, लेकिन अगर आप चाहें तो इससे थोड़ी राहत पा सकते हैं।

ओट्स और दूध

इस पैक को तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले ओट्स को सही से पीस लेना है। ओट्स पीसने के बाद इसमें कच्चा दूध मिलाएं। अब इसे अपने चेहरे पर कुछ देर के लिए लगाएं। ये पैक आपके चेहरे को ठंडक प्रदान करेगा और त्वचा से अतिरिक्त तेल को अवशोषित करने में भी मदद करेगा। इनमें क्लीजिंग गुण पाए जाते हैं, जो मृत कोशिकाओं को हटाने और त्वचा की अशुद्धियों को दूर करने में सहायक हो सकता है। यह ब्लड सर्कुलेशन सही रखने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आप ओट्स, दूध और शहद का फेसपैक बना लें। फिर इसे चेहरे पर अच्छे से लगा लें। 20 मिनट बाद इसे धो लें। इससे चेहरे पर चमक और निखार आता है।

केला और बादाम मिल्क

एक पके केले में बादाम मिल्क डालकर इसका सही से पेस्ट बनाएं। इस पैक से आपकी त्वचा हाइड्रेट रहेगी। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के बाद चेहरा धो लें। इसके लिए केले को मैश करके उसमें बादाम का दूध और शहद मिलाएं। चेहरे को अच्छा तरह से साफ कर लें उसके बाद फेस पैक लगा लें। इसे कुछ मिनटों तक अपने चेहरे पर लगा रहने दें। मास्क हटाते समय अपनी त्वचा की धीरे से मालिश करते हुए पानी से धो लें।

हंसना मना है

संडे को होली खेलते पप्पू से उसके दोस्त ने पूछा... गप्पू-यार, आज तो संडे है...फिर आज क्यों होली खेल रहा है... पप्पू-कल ही मैनें डिक्शनरी में पढ़ा है... संडे का मतबल होलीडे होता है।

एक बिहारी को यमलोक ले जाते समय यमराज बोले... यमराज-वत्स! तुम कहां जाना चाहते हो...स्वर्ग या नर्क? बिहारी -महाराज! मोबाइल और चार्जर तो लेना ही भूल गया... दोनों की व्यवस्था करा दो, फिर, किसी भी खोपचे में रह लूंगा...

पिंटू ने कंडक्टर से पूछा: आप कितने घंटे बस में रहते हो? कंडक्टर: जी 24 घंटे। पिंटू: वो कैसे? कंडक्टर: देखिए, 8 घंटे तो सिटी बस में रहता हूं और बाकी के 16 घंटे बीवी के बस में रहता हूं।

एक भाई ने चिड़िया घर खोला और प्रवेश शुल्क 50 रूपये रखा, कोई नहीं आया, उसने शुल्क घटा कर 20 रूपये कर दिया, फिर भी कोई नहीं आया, फिर 10 फिर 5 लेकिन आया कोई नहीं, अंत में प्रवेश मुफ्त कर दिया, भीड़ उमड़ पड़ी, ठसाठस, तभी भाई ने शेर का पिंजरा खोल दिया और बाहर जाने का शुल्क रखा 200 रूपये।

कहानी — दानवीर कर्ण

महाभारत की कथा में कई महान चरित्रों का जिक्र है। उन्हीं में से एक थे दानवीर कर्ण। श्रीकृष्ण हमेशा कर्ण की दानवीरता की प्रशंसा करते थे। वहीं, अर्जुन और युधिष्ठिर भी दान-पुण्य करते रहते थे, लेकिन श्रीकृष्ण कभी उनकी प्रशंसा नहीं करते थे। एक दिन अर्जुन ने श्रीकृष्ण से इसका कारण पूछा। श्रीकृष्ण बोले, समय आने पर वह यह साबित कर देंगे कि सबसे बड़ा दानवीर सूर्यपुत्र कर्ण है। कुछ दिनों के बाद एक ब्राह्मण अर्जुन के महल में आया। उसने बताया कि पत्नी की मृत्यु हो गई है। उसके दाह संस्कार के लिए उन्हें चन्दन की लकड़ियों की जरूरत है। ब्राह्मण ने अर्जुन से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। अर्जुन ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि राजकोष से चन्दन की लकड़ियों का इंतजाम किया जाए, लेकिन उस दिन न तो राजकोष में चंदन की लकड़ियां मिली और न ही पूरे राज्य में। अर्जुन ने ब्राह्मण से कहा, आप मुझे क्षमा करें, मैं आपके लिए चंदन की लकड़ी का इंतजाम नहीं कर सका। श्रीकृष्ण इस पूरी घटना को देख रहे थे। उन्होंने ब्राह्मण से कहा, आपको एक जगह चंदन की लकड़ियां जरूर मिलेगी, आप मेरे साथ चलिए। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भी अपने साथ ले लिया। श्रीकृष्ण और अर्जुन ने ब्राह्मण का वेश बनाया और उस ब्राह्मण के साथ कर्ण के दरबार में पहुंचे। वहां भी ब्राह्मण ने कर्ण से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। कर्ण ने अपनी मंत्री से चंदन की लकड़ी का इंतजाम करने को कहा। थोड़े समय बाद कर्ण के मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में कहीं चंदन की लकड़ी नहीं मिली। इस पर कर्ण ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि उसके महल में चंदन के खंभे हैं, उन्हें तोड़कर ब्राह्मण को दान दिया जाए। मंत्री ने ऐसा ही किया। ब्राह्मण चंदन की लकड़ी लेकर अपनी पत्नी के दाह संस्कार के लिए चला गया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा, देखो तुम्हारे महल के खंभों में भी चन्दन की लकड़ी लगी है, लेकिन तुमने ब्राह्मण को निराश किया। वहीं, कर्ण ने एक बार फिर अपनी दानवीरता का परिचय दिया।

7 अंतर खोजें

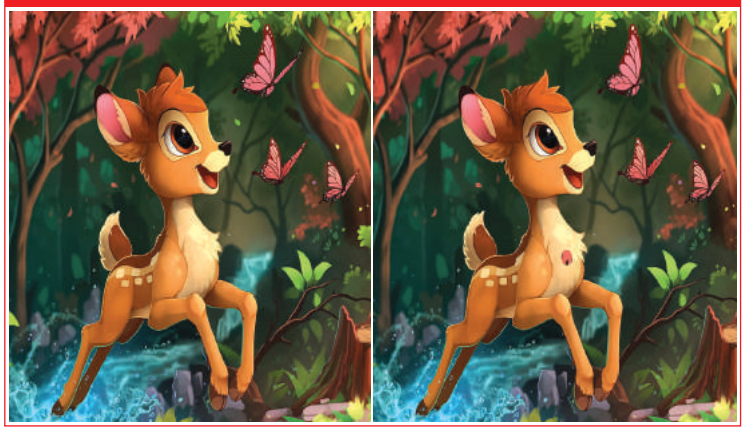

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

वृषभ — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन — वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा।

कर्क — आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह — मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा।

कन्या — काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

तुला — आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक — व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु — किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी।

मकर — सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

कुम्भ — ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा।

मीन — किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

फ्रीडम एट मिडनाइट की शूटिंग के लिए निखिल ने राजा गज सिंह का जताया आभार

निखिल आडवाणी अपनी आगामी सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट की तैयारियों में जुटे हैं। इस सीरीज की शूटिंग उन्होंने उम्मेद भवन में की है। निखिल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की है। साथ ही राजा गज सिंह का आभार जताया है। इस सीरीज की शूटिंग उम्मेद भवन में करीब तीन दिनों तक हुई है। निखिल आडवाणी ने सीरीज की पूरी कास्ट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, तीन दिनों के लिए शानदार उम्मेद भवन पैलेस में शूटिंग करने का अवसर मिला। इसको शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यहां फ्रीडम एट मिडनाइट की शूटिंग, इस सीरीज के लिए बड़ी बात है। इसके साथ उन्होंने मारवाड़-जोधपुर के महाराजा गजसिंह जी द्वितीय का आभार जताया। निखिल ने लिखा, अपने इस शाही पैलेस के दरवाजे खोलने और हमें इस राजसी महल के अंदर शूटिंग करने का अवसर देने के लिए महाराजा गजसिंह जी का शुक्रिया। इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने की उनकी प्रतिबद्धता इस पैलेस के हर कोने में चमकती है। उनके पिता महाराजा हनवंत सिंह का भारत की स्वतंत्रता में बड़ा योगदान रहा है। इसके अलावा निखिल आडवाणी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा कर यह जानकारी भी दी है कि इस सीरीज की शूटिंग पूरी कर ली है। मालूम हो कि इस सीरीज में सिद्धांत गुप्ता को पंडित जवाहर लाल नेहरू, चिराग वोहरा को महात्मा गांधी और राजेन्द्र चावला को सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका में देखा जाएगा। बहुप्रतीक्षित सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट में पाकिस्तानी लीडर मोहम्मद अली जिन्ना की भूमिका में आरिफ जकारिया दिखेंगे। वहीं, जिन्ना की बहन फातिमा का किरदार इरा दुबे अदा करती दिखेंगी। फ्रीडम एट मिडनाइट सीरीज इसी नाम से लिखी लैरी कॉलिन्स और डोमिनिक लैपिएर की किताब पर आधारित है। इस किताब में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में गहराई से लिखा गया है।

राखी बीमारी का कर रहीं नाटक : आदिल

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें हार्ट संबंधी दिक्कतों के चलते मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब खबर सामने आ रही है कि मेडिकल जांच में उनके यूटेरस में ट्यूमर पाया गया है। यह खुलासा राखी के पूर्व पति रितेश ने किया है। इस पर अब आदिल दुर्रानी ने प्रतिक्रिया दी है। आदिल का कहना है कि राखी सावंत कोर्ट की तारीख से बचने के लिए ऐसा कर रही हैं। रितेश से अलग होने के बाद राखी सावंत ने आदिल दुर्रानी से शादी रचाई थी। शादी के कुछ वक्त बाद ही दोनों के बीच कलह शुरू हो गई और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। राखी सावंत ने आदिल पर घरेलू हिंसा सहित कई गंभीर आरोप लगाए, जिसके लिए आदिल को जेल भी काटनी पड़ी। वहीं, आदिल भी राखी पर आरोप लगा चुके हैं। राखी के खिलाफ कथित तौर पर एक्स पति आदिल दुर्रानी से जुड़े वीडियो को उनकी सहमति के बिना शेयर करने का मामला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राखी सावंत के खिलाफ अब गिरफ्तारी वारंट है। आदिल ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि कोर्ट की तारीख नजदीक आने पर राखी ऐसा कर रही हैं। आदिल ने वीडियो में कहा है, मैं एक खबर देख रहा था कि राखी को हार्ट की दिक्कत हो रही है। उनके सो कॉल्ड हसबैंड ऐसा कर रहे हैं कि डॉक्टर कह रहे हैं कि कैंसर होने की संभावना है। जब मैंने एक साल पहले उनके पूरे टेस्ट करवाए थे। एक सर्जरी भी करवाई थी तो कोई भी हेल्थ दिक्कत नहीं थी। सबकुछ नॉर्मल था। अगर वह कोर्ट की डेट नजदीक आने की वजह से ऐसा कर रही हैं तो इससे घिनौनी कोई चीज नहीं है। जनता सब देख रही है। आदिल ने आगे कहा, अगर सच में आप बीमार हो तो मैं आपके लिए दुआ करता हूं कि आप जल्द ठीक हों। सबसे पहले मैं एक इंसान हूं, मैं किसी का बुरा नहीं चाहता हूं। आपके कोर्ट के डेट का मैं उंगलियों पर गिनकर इंतजार कर रहा हूं।

कहा- कोर्ट की तारीख से बचने के लिए ऐसा कर रहीं

मैं नेगेटिव किरदार भी करना चाहता हूं : विक्की कौशल

इन दिनों विक्की अपनी आगामी फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। विक्की की फिल्मों और उनके अभिनय को दर्शक बेहद पसंद करते हैं। आज विक्की कौशल का 36वां जन्मदिन है। सुबह से ही सोशल मीडिया पर विक्की को उनके जन्मदिन की बधाई मिल रही है। विक्की कौशल ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं। एक्टर के लिए फिल्म इंडस्ट्री में जगह पाना आसान नहीं था। लेकिन अपने शानदार अभिनय के कारण इन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में वह जगह बनाई कि आज सभी डायरेक्टर इनके साथ काम करना चाहते हैं। 2015 में फिल्म मसान के जरिए विक्की को फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान मिली। विक्की ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, मैं नेगेटिव किरदार जरूर निभाना चाहूंगा। मुझे ऐसे किरदार करना अच्छा लगेगा क्योंकि ऐसे किरदारों में बहुत कुछ करने के लिए होता है। आगे विक्की ने कहा, मुझे नहीं पता यह कब होगा लेकिन मैं नेगेटिव किरदार को जरूर करना चाहूंगा। विक्की के फैंस भी इस खबर को सुनकर बेहद खुश हैं क्योंकि वह भी अपने अभिनेता को हर तरह के रोल में देखने की इच्छा रखते हैं। आज विक्की कौशल का जन्मदिन है। ऐसे में सुबह से ही उनको जन्मदिन की ढ़ेरों शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी कड़ी में विक्की के छोटे भाई सनी कौशल ने अपने भाई के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट साझा किया है। सनी ने कुछ ही घंटों पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विक्की की दो तस्वीरें साझा की हैं साथ ही उन्होंने एक प्यारा सा नोट भी लिखा है। बचपन की तस्वीर में विक्की बेहद क्यूट नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | आधी रात को उठी लड़की, ली ऐसी उबासी

खुला का खुला रह गया मुंह

अक्सर लोगों को दिनभर की दिनचर्या में बैठे-बैठे उबासी आ जाना कोई नई बात नहीं है। दिन में और कई बार तो आधी रात में भी सोते-सोते जम्हाई आ जाती है। वो बात अलग है कि हम इसे बिल्कुल सामान्य शारीरिक प्रक्रिया मानते हैं। कभी नींद ना पूरी हुई हो या फिर थकान ज्यादा हो गई हो, तो भी उबासी आने लगती है। हालांकि ऐसा आपने शायद ही सुना हो कि किसी ने जम्हाई ली और वापस मुंह ही नहीं बंद कर पाया। आज हम आपको एक ऐसी ही अजीबोगरीब घटना के बारे में बताएंगे, जो सुर्खियों में है। ये घटना अमेरिका के न्यूजर्सी में रहने वाली एक लड़की के साथ हुई है। लड़की ने इतनी तेज जम्हाई ली कि इसके बाद वो अपना मुंह ही नहीं बंद कर पाई। लाख कोशिशों के बाद भी जब उसका मुंह बंद नहीं हुआ तो उसे डॉक्टर के पास जाना पड़ गया। जिस लड़की के साथ ये अजीबोगरीब हादसा हुआ, उसका नाम जेना सिनात्रा है और उसकी उम्र महज 21 साल है। जेना ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुई इस घटना के वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक जेना ने तेज उबासी ली थी, जिसकी वजह से उसका जबड़ा अपनी जगह से हट गया था और दूसरी जगह जाकर लॉक हो गया। ये काफी दुर्लभ सी बात है, जिसे जॉ लॉक कहा जाता है। इस हालत में मुंह बंद करना और बोलना भी मुमकिन नहीं होता। मिशिगन के एक प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर एंथनी यून ने बताया कि ऐसा अक्सर तब होता है, जब कोई तेज और लंबी उबासी लेता है। ऐसे में मैन्युअल तरीके से जबड़े को सही जगह पर लाया जाता है और मुंह को ठीक करना पड़ता है। जेना ने अपना जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उसके जबड़े से लेकर सिर तक को पट्टियों से बांधा गया है। हालांकि वो इसके बाद हंस-बोल पा रही थी। और अब खुद को सामान्य महसूस कर रही थी।

सबसे पहले पकती है ईदगाह की लीची वैज्ञानिक भी नहीं सुलझा पाए रहस्य

मुजफ्फरपुर की ईदगाह की लीची पक गयी है। इसकी तुड़ाई भी शुरू हो गयी और इसे दिल्ली भेजा जाने लगा। ईदगाह की लीची सबसे पहले पकती है। ये आज भी रहस्य है। इस गुत्थी को कोई नहीं सुलझा पाया है। मुजफ्फरपुर की शाही लीची देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में अपने अनूठे स्वाद के लिए मशहूर है। इसे जीआई टैग भी हासिल है। हर साल की तरह इस बार भी वर्ल्ड फेमस मुजफ्फरपुर की शाही लीची का स्वाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई गणमान्य लोग चखेंगे। लीची की तुड़ाई होने के बाद इसे दिल्ली भेजने की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार सीजन लेट है। लेकिन यह इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। वैज्ञानिक और लीची उत्पादक संघ का कहना है लीची की तुड़ाई 25 मई के बाद होगी। दूसरी ओर गौशाला रोड स्थित ईदगाह के अंदर बने लीची के बगान की फल की तुड़ाई शुरू हो गई है और उसे ट्रेन से दिल्ली भेजा जा रहा है। किसानों का दावा है ईदगाह की लीची सबसे पहले लाल होती है और यहीं सबसे पहले तुड़ाई होती है। इसी को देखते हुए किसान ईदगाह वाले बाग में तुड़ाई कर उसे लकड़ी के बॉक्स में पैक कर उसे दिल्ली भेजने में जुटे हुए हैं। लोकल 18 की टीम ईदगाह के बाग में पहुंची तो वहां किसान सह व्यापारी मोहम्मद निजामुद्दीन ने बताया सबसे पहले यहां लीची तुड़ाई होती है। यहीं से सबसे पहले जाती है इस बार भी यहां की लीची सबसे पहले तैयार हो गई है। इसे पैक कर दिल्ली की आजाद पुर मंडी भेजा जा रहा है। किसान ने बताया हमें इसका ऑर्डर नहीं आता है। हम यहां से माल मंडी भेजते हैं। किसान ने आगे बताया यह हमारी पहली तुड़ाई है। इसकी कीमत कम से कम 125 से 130 तक होगी उससे कम नहीं होनी चाहिए। लीची अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर सुनील कुमार के मुताबिक लीची की कई किस्में होती हैं और सभी किस्मों में फूल आने और फल पकने का समय अलग-अलग होता है। शाही लीची की क्रॉप में फूल पहले आ जाते हैं, जबकि, चाइना किस्म में थोड़ी देर से आते हैं। इसलिए उसमें 10 से 15 दिन का तुड़ाई का फर्क रहता है।

भाजपा राशन को लेकर झूठ फैला रही : कांग्रेस

» राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का मोदी ने किया था विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर राशन के मुद्दे पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर केंद्र में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बनती है तो कर्नाटक की अन्न भाग्य योजना की तर्ज पर पूरे देश में गरीबों को प्रति माह 10 किलोग्राम मुफ्त राशन दिया जाएगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून का विरोध किया था।

लखनऊ में कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा दस किलो राशन देने के वादे को भाजपा ने कांग्रेस पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री और भाजपा राशन को लेकर भयंकर झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, राशन की असली क्रोनोलॉजी समझिए। 80 करोड़ भारतीयों के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2011 की जनगणना के आधार पर) सितंबर 2013 में पारित किया गया था। इसका सिर्फ़ एक मुख्यमंत्री ने लिखित में विरोध किया था, वह थे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री। कांग्रेस महासचिव ने कहा, प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया। कोविड महामारी के दौरान उन्होंने अचानक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 का नाम बदलकर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कर दिया और मुफ्त राशन योजना के रूप में इसकी मार्केटिंग की। उनके मुताबिक, तय समय पर हर 10 साल में होने वाली जनगणना को 2021 में न करवाकर कम से कम 14 करोड़ भारतीयों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित कर दिया गया है। जनगणना अभी तक नहीं हुई है। रमेश ने कहा, जब मई 2023 में विधानसभा चुनाव में कर्नाटक के लोगों ने भाजपा को सत्ता से बेदखल कर दिया, तब निवर्तमान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की अन्न भाग्य - 10 किलो मुफ्त चावल देने की गारंटी को विफल करने कोशिश करके कर्नाटक वासियों से अपना बदला लिया।

केंद्रीय बजट पर पीएम कर रहे भ्रमित : पी. चिदंबरम

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान पार्टी मुसलमानों के लिए बजट का 15 प्रतिशत आवंटित करना चाहती थी। पीएम मोदी के इस आरोप पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस आरोप को गलत बताया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के बीच हिंदू मुस्लिम विभाजन के मकसद से यह टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान लगातार अजीब होते जा रहे हैं और यह दर्शाते हैं कि उनके भाषण लिखने वाले अपना संतुलन खो बैठे हैं। कल, उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने हिंदू-मुस्लिम विभाजन किया, तो वह सार्वजनिक जीवन में रहने के योग्य नहीं होंगे। आज, उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को विभाजित करने का अपना खेल खेला। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, प्रधानमंत्री का यह आरोप पूरी तरह से गलत है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने केंद्रीय बजट का 15 प्रतिशत विशेष रूप से मुसलमानों पर खर्च करने की योजना बनाई थी। उनका एक अन्य आरोप है कि कांग्रेस एक मुस्लिम बजट और एक हिंदू बजट पेश करेगी। यह इतना अपमानजनक है कि इसे केवल एक मतिभ्रम के रूप में वर्णित किया जा सकता है। चिदंबरम ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में केवल वार्षिक वित्तीय विवरण का ज़िक्र है, जो केंद्रीय बजट है। फिर दो बजट कैसे हो सकता है? उन्होंने आगे कहा कि चुनाव प्रचार के शेष दिनों में आशा है कि प्रधानमंत्री झूठे आरोपों और अपमानजनक दावों का रास्ता छोड़ देंगे। भारतीय प्रधानमंत्री के बयानों को भारत की जनता ही नहीं, दुनिया भी देख रही है।

एसएलयू गायब, सुप्रीम कोर्ट पहुंचे दिग्विजय

मध्यप्रदेश में लोकसभा का चुनाव 2024 के चार चरणों के मतदान प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब स्ट्रांग रूम में गड़बड़ी की आशंका को लेकर कांग्रेस नेता एवं राजगढ़ प्रत्याशी पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह सुप्रीम कोर्ट की शरण में पहुंचे हैं। उन्होंने सिंबल लोडिंग यूनिट (एसएलयू) को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का आरोप है कि राजगढ़ प्रशासन ने एसएलयू वापस चुनाव आयोग को सौंपे है। गुना में एएसएलयू स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी हुई है लेकिन राजगढ़ में नहीं। एक मई को चुनाव आयोग ने सर्कुलर जारी कर सभी राज्यों को निर्देश दिए थे। जिसमें कहा गया था कि एसएलयू को चुनाव याचिकाओं के मद्देनजर 45 दिनों तक स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाए।

लोगों की आक्रोश भरी खामोशी तय करेगी गठबंधन की जीत : गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और अमेठी लोकसभा के वरिष्ठ कांग्रेस पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा कि देश में जिस तरह का माहौल और लोगों में आक्रोश भरी खामोशी दिख रही है, उससे ये निश्चित हो गया है कि गठबंधन जीतेगा और देश में सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के नापाक मंसूबों से देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है, जिसको देशवासियों ने भांप लिया है और वे बदलाव के मूड में हैं। गहलोत ने अमेठी से अपने 42 साल पुराने नाते को याद करते हुए कहा कि मैं राजीव गांधी के पहले चुनाव में एक महीने यहां रहा हूं। यहां लोगों में गांधी परिवार के प्रति प्यार और अपनत्व को नजदीक से देखा है। वही जज्बा आज लोगों में दिखाई दे रहा कि ये चुनाव जनता खुद लड़ रही है।

लखनऊ पूर्वी में मिल रहा इंडिया गठबंधन को भारी जन समर्थन

» कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश सिंह की बढ़ती लोकप्रियता से बौखलाई भाजपा ने बदली चाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ पूर्वी विधानसभा के उपचुनाव अब बेहद रोचक बनता जा रहा है। यहां से कांग्रेस गठबंधन उम्मीदवार मुकेश सिंह चौहान ने पूरी दमखम झोंक रखी है। जिसका अंदाजा इस बात से आसानी से लगाया जा सकता है कि इस क्षेत्र में सीएम योगी कल तो आज डिप्टी सीएम पाठक को प्रचार के लिये आना पड़ रहा है। आपको बता दें कि ये सीट भाजपा के लिये जितनी आसान नजर आ रही थी उतनी ही मुश्किल भी अब आ रही है। मुकेश सिंह चौहान तीन बार के पार्षद हैं और उनका व्यक्तिगत व्यवहार भी लोगों को खूब भाने लगा है।

कांग्रेस और सपा का गठबंधन अब लखनऊ पूर्वी में अपना रंग दिखाने लगा है। वही मुकेश सिंह ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक

रखी है। सुबह से ही मुकेश सिंह का कारंवा जनता के दर्शन में लग जाता है। महिलाओं और बुजुर्गों की पहली पसंद बनते जा रहे रहे मुकेश के साथ बड़ी तादात में नवजवानों को भी जुड़ते हुए देखा जा सकता है। एक तरफ भाजपा को अपनी परंपरागत सीट बचाने की बड़ी जिम्मेदारी है तो वही गठबंधन भी इस बार का भाजपा तिलिस्म तोड़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है।

हज हाउस में सुविधाओं से वंचित हैं हजयात्री

» सुविधा के नाम पर यात्रियों से वसूले गये 3 लाख 39000 रुपये

» हज हाउस में दो गुना महंगी हुई थाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 हज यात्रा के लिए उत्तर प्रदेश के हाजियों का जत्था सरोजनीनगर स्थित मोहम्मद अली मियां मेमोरियल हज हाउस से रवाना हो रहा है। यूपी से अब तक कुल 14 उड़ानों से 3965 हज यात्री रवाना हो चुके है। इस बीच हज हाउस से कैंटीन के महंगे भोजन , हज हाउस के बाहर कूड़े के ढेर , हज हाउस के अंदर गंदा और टूटा हुआ शौचालय , वाश बेसिन में गंदा पानी भरा हुआ था साथ ही बैठने वाली कुर्सियां बहुत खराब स्थिति में पाई गईं जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लखनऊ के हज हाउस कैंटीन में खाने

हज सचिव एस.पी तिवारी

की गुणवत्ता और रेट को लेकर भोजन करने वाले लोग लगातार विरोध कर रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है । वीडियो में कैंटीन के अंदर भोजन कर रहे हैं फहीम बेग ने बताया कि जो चावल परोसा जा रहा है वो कोटे का है और विगत वर्ष जो वेज थाली 40 रुपये की थी इस वर्ष वही थाली 100 रुपये की है , नॉन-वेज थाली विगत वर्ष 50 रुपये की थी इस साल 130 रुपये की है। कैंटीन में परोसे जा रहे भोजन और सफ़ाई व्यवस्था को लेकर श्रावस्ती से आए यासिर ने कहा कि एक हाजी के द्वारा 3 लाख 39000 का भुगतान किया जाता उसके बाद इस प्रकार की व्यवस्था को देखकर दुख होता है। दूर दराज से हाजियों को छोड़ने आये उनके परिवार के लोगों के लिए भी कोई सुविधा नही की गई मोबाइल टॉयलेट का भी इंतेज़ाम नही था। जिससे परिवार वालो को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

शिकायतों की जांच की जाएगी : हज सचिव

हज हाउस में अव्यवस्थाओं और कैंटीन संचालक की मनमानी को लेकर हज सचिव एस.पी तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश हज कॉमेडी का पूरा प्रयास है कि हज यात्रियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। सफाई को लेकर कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का हज हाउस आवागमन हो रहा है फिर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। कैंटीन में भोजन के गुणवत्ता और रेट को लेकर उन्होंने कहा कि इस की जांच करके हाजियों को बेहतर भोजन कराया जाएगा और जो भी शिकायत है उसे दूर किया जाएगा।

मैच धुला, सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ में

» गुजरात टाइटंस से था मुकाबला

» चौथे स्थान के लिए चेन्नई-बेंगलुरु में होगा नॉकआउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 धीरे-धीरे अपने अंजाम तक पहुंच रहा है। अब प्लेऑफ की तीसरी टीम मिल गई। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम गुजरात टाइटंस मैच बारिश से धुलने से एसआरएच की टीम अंतिम-चार में पहुंच गई। उसके 15 अंक हो गए। साथ ही यह भी तय हो गया कि कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए लीग राउंड को खत्म करेगी।

यह आईपीएल के 17 सीजन में पहली बार है जब केकेआर की टीम लीग राउंड में शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंचेगी। 2012 और 2014 में टीम लीग स्टेज के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। तीन टीमें जहां तय हो गईं, वहीं चार टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर भी हो चुकी हैं। हैदराबाद की एंट्री ने दिल्ली कैपिटल्स को इस दौड़ से बाहर कर दिया। मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। अब प्लेऑफ की चौथी टीम के लिए तीन टीमों के बीच टक्कर है। इनमें चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जाएंट्स शामिल हैं।

चेन्नई-बेंगलुरु का समीकरण

चेन्नई के फिलहाल 13 मैचों के बाद 14 अंक है और उनका नेट रन रेट +0.528 है। टीम चौथे स्थान पर है। वहीं, बेंगलुरु के 13 मैचों के बाद 12 अंक हैं और उनका नेट रन रेट +0.387 है। टीम छठे स्थान पर है। चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी अगर वह बेंगलुरु को किसी भी अंतर से हरा देते हैं। एक रन से भी जीत चेन्नई को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी होगी। बेंगलुरु को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए एक खास अंतर से जीतना जरूरी होगा। मान लीजिए अगर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की टीम 200 रन बनाती है तो उन्हें चेन्नई पर 18 या इससे ज्यादा रन से जीत हासिल करनी होगी। यानी आरसीबी को चेन्नई को 182 या इससे कम के स्कोर पर रोकना होगा। मान लीजिए अगर चेन्नई की पहले बल्लेबाजी करती है और 200 का स्कोर बनाती है तो आरसीबी को यह लक्ष्य 18.1 ओवर या इससे पहले हासिल करना होगा। उन्हें 10 या इससे ज्यादा गेंद बाकी रहते मैच को जीतना होगा। इस स्थिति में बेंगलुरु और चेन्नई दोनों के 14-14 अंक रहेंगे, लेकिन आरसीबी चेन्नई से बेहतर नेट रन रेट के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी।

मालीवाल के समर्थन में आईं महिला नेता

» पुलिस ने आप की रास सांसद के बयान लिए

» केजरीवाल के पीएम बिभव पर एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री आवास में अपने साथ हुई बदसलूकी के तीसरे दिन चुप्पी तोड़ी है। मालीवाल ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि पुलिस को उन्होंने अपना बयान दे दिया है। साथ में उचित कार्रवाई की उम्मीद भी जताई है। हालांकि, उन्होंने सोमवार मुख्यमंत्री आवास पर अपने साथ हुए पूरे घटनाक्रम का जिक्र नहीं किया है। साथ में मामले में राजनीति न करने की नसीहत भाजपा को दी। इस मामले में पुलिस ने भी जानकारी दी कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

दिल्ली पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल), 506 (आपराधिक धमकी), 509 (अपमान करने के इरादे से शब्द संकेत या कृत्य), 323 (हमला) और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। मेरे साथ जो हुआ, वह बहुत बुरा था। मेरे साथ हुई घटना पर मैंने पुलिस को अपना बयान दिया है। मुझे आशा है कि उचित कार्रवाई होगी। पिछले दिन मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं। जिन लोगों ने प्रार्थना की, उनका धन्यवाद करती हूं। जिन लोगों ने चरित्र हनन की कोशिश की, ये बोला की दूसरी पार्टी के इशारे पर कर रही हैं, भगवान उन्हें भी खुश रखे। देश में अहम चुनाव चल रहा है। स्वाति मालीवाल जरूरी नहीं हैं। देश के मुद्दे जरूरी हैं। भाजपा से खास गुजारिश है इस घटना पे राजनीति न करें। इस आरोप के बाद दिल्ली पुलिस ने स्वाति का मेडिकल करवाया है। इस मेडिकल के जरिए जांचने की कोशिश की गई है कि उन्हें चोट तो नहीं लगी है। बदसलूकी और मारपीट के मामले में दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में स्वाति मालीवाल का मेडिकल चेकअप किया गया है। देर रात तीन बजे स्वाति मालिवाल का चेकअप किया गया है। स्वाति मालीवाल का मेडिकल चेकअप जब किया गया तब उनके साथ एडिशनल डीसीपी रैंक की महिला अधिकारी थी।

किसी भी तरह की राजनीति न करे बीजेपी : मालीवाल

भाजपा महिला मोर्चा ने सौंपा समर्थन का पत्र

दिल्ली प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल स्वाति मालीवाल के घर पहुंचा। उन्होंने मालीवाल के सहायक को एक पत्र सौंपा। इसमें कहा गया है कि हाल ही में मालीवाल से मुख्यमंत्री आवास पर हुई निंदनीय घटना के बारे में जानकर महिला मोर्चा अत्यंत चिंतित और व्यथित है। हमारी राजनीतिक विचारधारा भले ही अलग है, लेकिन महिला के रूप में हम सब आपके साथ हैं। आप महिला अधिकारों के लिए हमेशा से सजग रही हैं।

मालीवाल प्रकरण का रास के सभापति और महिला आयोग ले संज्ञान : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व उत्पीड़न के साथ ही किसी भी नेता द्वारा अन्य कोई भी गलत कार्य करने पर सख्त कार्रवाई के मामले में चाहे कोई भी पार्टी या इंडी व अन्य गठबंधन हो, तो इन्हें दोहरा मापदंड नहीं अपनाना चाहिए। ऐसे मामलों में इन्हें बसपा के शीर्ष नेतृत्व से जरूर सबक लेना चाहिए। एक्स पर जारी अपने बयान में बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि आप पार्टी की महिला राज्यसभा सांसद के साथ सीएम आवास में अभद्रता के गंभीर मामले पर देश की नजर है। इस मामले के दोषी के खिलाफ अब तक कार्रवाई नहीं होना अनुचित है। ऐसे में राज्यसभा के सभापति व महिला आयोग को भी इस घटना का समुचित संज्ञान लेने की जरूरत है।

मैं हमेशा ही महिलाओं के साथ हूं : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने स्वाति मालीवाल से हिंसा मामले पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें दो बाते हैं। पहला, अगर महिलाओं के साथ कुछ गलत होता है तो हम उनके साथ खड़े हैं। मैं हमेशा महिलाओं के साथ ही खड़ी रहती हूं चाहें वे किसी भी पार्टी की हों। दूसरा आप आपस में चर्चा करेगी... वो आपस में निर्णय लेंगे। ये उन पर है। वहीं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस अमेठी और रायबरेली दोनों ही सीटों पर जीत दर्ज कर रही है। जनता हमारे साथ है। प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव की शुरुआत में भाजपा अबकी बार 400 पार... का नारा दोहराती थी पर अब वो ऐसा नहीं करते हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद अब वो इसकी बात भी नहीं कर रहे हैं।

प्रचंड लू की चेतावनी के चलते घरों से निकलने से बचें लोग

» पहली बार 45 के पार हुआ पारा, कई जिलों में अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । प्रदेश में गर्मी ने और प्रचंड रूप ले लिया है। ज्यादातर जिलों में पारा 45 के ऊपर चला गया। शुक्रवार से पूरे प्रदेश में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। कानपुर 45.1 डिग्री के साथ सर्वाधिक गर्म रहा। यहां पर बुधवार 2.3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। लखनऊ में भी तापमन में 1.2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई और दिन का तापमान 41.2 की तुलना में 42.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र में पारा 43-45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

शुक्रवार से लू चलने के आसार जताते हुए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। साथ ही अगले तीन-चार दिन तक भीषण गर्मी के आसार भी जताए हैं। अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने 21 मई तक लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पूरवाई थमने और पछुआ हवा चलने के कारण, आकाश साफ रहने से तीखी धूप की वजह से गर्मी का असर दिख रहा है।

बिजनौर में दर्दनाक हादसा : ट्रक ने मां-बेटी को कुचला

» दोनों की मौके पर मौत गांव में छाया मातम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। बिजनौर जनपद में बैराज रोड पर दो बाइकों में आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही एक बाइक पर सवार मां-बेटी जमीन पर गिर गईं। इसी बीच एक ट्रक ने मां-बेटी को कुचल दिया। जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। उधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

वहीं, पुलिस ने घायल बाइक सवार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, घटना के बाद बैराज रोड पर लगे जाम को पुलिस ने खुलवाया।

भाजपा के तमलुक उम्मीदवार पर भड़की टीमएसी

» चुनाव आयोग से दर्ज कराई शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। भाजपा के तमलुक उम्मीदवार और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी नेता ममता बनर्जी के बारे में की गई टिप्पणी ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। टीएमसी ने बीजेपी उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है। पूर्वी मिदनापुर के चैतन्यपुर में एक अभियान रैली में गंगोपाध्याय ने कहा कि तृणमूल ने दावा किया कि भाजपा की संदेशखाली उम्मीदवार रेखा पात्रा को 2,000 रुपये में खरीदा गया था।

उन्होंने ममता बनर्जी से सवाल किया और पूछा कि उनकी कीमत क्या है, उन्होंने 10 लाख रुपये का सुझाव दिया। इसलिए क्योंकि आप अपना मेकअप एक प्रसिद्ध सौंदर्य चिकित्सक से करवाती है। गंगोपाध्याय की तीखी आलोचना से नाराज पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश ने शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी हैं।

सामने आई नगर निगम की लापरवाही

» मकान किसी का बिल भेजा किसी और का

» 15 गुना और बढ़ गया बिल, 1306 रुपये से हो गया 19290 रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की कार्यप्रणाली पर एकबार फिर सवालिया निशान लग गया है। दरअसल नगरनिगम कर्मचारियों की घारे लापरवाही उजागर हुई है। जिसमें जीआईएस सर्वे में किसी दूसरे के मकान की जगह पर किसी और के मकान की फोटो लगाकर हाउस टैक्स एसेसमेंट कर दिया गया। जिस व्यक्ति के साथ ऐसा हुआ है वह दर-दर भटक रहा है। असल में जोन एक के बेलदारी लेन के निवासी अशोक कुमार यूपीपीसीएल से रिटायर हुए हैं।

उन्होंने कहा कि विभाग में वह जीएम के पद से रिटायर हुए। जीआईएस सर्वे में उनके साथ सबसे बड़ा खेल हुआ। इनके मकान की जगह पर दूसरे मकान की फोटो लगाकर हाउस टैक्स एसेसमेंट कर दिया गया। इसकी वजह से बिल कई गुना ज्यादा आ गया। 1306 रुपये बिल आता था वह करीब करीब 15 गुना बढ़ गया और बिल हो गया 19290 हो गया। मामले की जानकारी सबसे पहले नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को दी। अब इनका बिल सही हो रहा है। पिछले कई महीनो से यह नगर निगम का चक्कर लगा रहे थे। कैंप सुबह 9:00 बजे करीब शुरू हुआ लेकिन उससे पहले ही 8:30 तक लोग यहां पर आ गए थे शुरू के 2 घंटे में 160 लोगों की समस्याएं सुनी गई।। अधिकारियों ने बताया कि इसमें से 126 लोगों के मामले का निस्तारण तत्काल मौके पर ही कर दिया गया।

पूरी मुस्तैदी से जनता की समस्याओं का हो रहा निस्तारण

हर अपर नगर आयुक्त को दो-दो जोन की जिम्मेदारी दी गई है वह अपने अपने जोन में देख रहे है कि मामले का निस्तारण ठीक से हुआ है या नहीं लखनऊ नगर निगम ने जीआईएस सर्वे कराया तो पूरे शहर में 2 लाख 41 हजार लोगों का बिल ज्यादा आ गया है। इसका विरोध बड़े पैमाने पर शुरू हो गया था। यहां तक की लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने भी नगर आयुक्त को पत्र लिखकर सर्वे को रद करने की बात कही थी। उसके बाद शासन स्तर पर तय हुआ था कि कैंप लगाकर मामलों का निस्तारण किया जाएगा। अमित केसरवानी ने 8500 बिल आया था। कम होकर बिल 3096 हो गया। उनका ब्याज 1500 आ गया था यह भी माफ हो गया। जानकीपुरम सेक्टर डी में रहते हैं। उन्होंने इसके लिए नगर आयुक्त को धन्यवाद भी दिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।